

# Industrial Relations and Labour Laws

## Important provisions of Trade Unions Act, 1926

BY

DR. SANTOSH KUMAR LAL

DEPT. OF COMMERCE

SARIYA COLLEGE, SURIYA



# Trade Unions Act, 1926 – Important Provisions

## (व्यापार संघ अधिनियम, 1926 – महत्वपूर्ण प्रावधान)

Meaning and Definition of Trade Union (Section 2(h)):

A **Trade Union** means any combination, whether temporary or permanent, formed primarily for:

- ▶ Regulating relations between **workmen and employers**, or
- ▶ Between **workmen and workmen**, or
- ▶ Between **employers and employers**,  
and includes federations of trade unions.

व्यापार संघ (ट्रेड यूनियन) से तात्पर्य ऐसे किसी भी संगठन से है, जो अस्थायी या स्थायी रूप से बनाया गया हो, जिसका उद्देश्य हो—

- ▶ कामगारों और नियोक्ताओं के बीच संबंधों को नियंत्रित करना, या
- ▶ कामगारों के आपसी संबंधों को नियंत्रित करना, या
- ▶ नियोक्ताओं के बीच संबंधों को नियंत्रित करना।  
इसमें ट्रेड यूनियनों के महासंघ भी शामिल हैं।

# Registration of Trade Unions (Sections 3–14)

- **Section 3:** Appointment of Registrar of Trade Unions
- **Section 4:** Any **seven or more members** can form a trade union and apply for registration.
- **Section 5:** Application must be submitted with:
  - => Name of union
  - => Address
  - => Rules of the union
- **Section 6:** Rules must provide for:
  - => Membership
  - => Objectives
  - => Subscription (minimum ₹1 per year for rural workers, ₹3 for others)
  - => Election of office-bearers
- **Section 8:** Registrar issues Certificate of Registration
- **Section 9:** Registration confers legal status
- **Section 10:** Cancellation of registration under certain conditions

- धारा 3: ट्रेड यूनियन रजिस्ट्रार की नियुक्ति
- धारा 4: कम से कम 7 सदस्य मिलकर ट्रेड यूनियन बना सकते हैं
- धारा 5: पंजीकरण हेतु आवेदन में देना आवश्यक—
  - => नियन का नाम
  - => पता
  - => नियमावली
- धारा 6: नियमों में निम्नलिखित का प्रावधान होना चाहिए—
  - => सदस्यता
  - => उद्देश्य
  - => सदस्यता शुल्क
  - => पदाधिकारियों का चुनाव
- धारा 8: पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाता है
- धारा 9: पंजीकरण से यूनियन को वैधानिक मान्यता मिलती है
- धारा 10: कुछ परिस्थितियों में पंजीकरण रद्द किया जा सकता है

# Minimum Membership (Section 9A – Amendment)

A registered trade union must have:

- ▶ At least **10% or 100 workers**, whichever is less, subject to minimum **7 members**.

पंजीकृत ट्रेड यूनियन में—

- ▶ कुल कामगारों का 10% या 100 सदस्य (जो कम हो) न्यूनतम 7 सदस्य होना अनिवार्य है।

# Rights and Liabilities of Registered Trade Unions (Sections 15–16)

A registered trade union can:

- ▶ Acquire and hold property
- ▶ Enter into contracts
- ▶ Sue or be sued
- ▶ Spend funds only for lawful purposes such as:
  - ▶ Payment of salaries
  - ▶ Legal proceedings
  - ▶ Trade disputes
  - ▶ Welfare activities

पंजीकृत ट्रेड यूनियन—

- ▶ संपत्ति अर्जित कर सकती है
- ▶ अनुबंध कर सकती है
- ▶ मुकदमा कर सकती है या उस पर किया जा सकता है
- ▶ धन का उपयोग केवल वैध उद्देश्यों के लिए कर सकती है जैसे—
  - ▶ वेतन भुगतान
  - ▶ कानूनी खर्च
  - ▶ औद्योगिक विवाद
  - ▶ कल्याणकारी कार्य

# Immunities of Trade Unions (Sections 17 & 18)

## Section 17 – Criminal Conspiracy

- ▶ Members are **immune from criminal conspiracy** if the act is in furtherance of a trade dispute.
- ▶ यदि कोई कार्य औद्योगिक विवाद के संदर्भ में किया गया हो, तो ट्रेड यूनियन के सदस्य आपराधिक षड्यंत्र से मुक्त होते हैं।

## Section 18 – Civil Liability

- ▶ Trade unions are protected from:
  - ▶ Civil suits for acts done in contemplation or furtherance of a trade dispute.
- 
- ▶ ट्रेड यूनियन को—
  - ▶ औद्योगिक विवाद से संबंधित कार्यों के लिए दीवानी मुकदमों से संरक्षण प्राप्त है।

# Disqualifications of Office Bearers (Section 21A)

A person is disqualified if:

- ▶ Convicted for an offence involving moral turpitude
- ▶ Sentence of imprisonment for 6 months or more

कोई व्यक्ति पदाधिकारी नहीं बन सकता यदि—

- ▶ नैतिक अधमता से संबंधित अपराध में दोषी हो
- ▶ 6 माह या अधिक की सजा हुई हो

# Change of Name and Amalgamation (Sections 23–26)

- ▶ Trade union can change its name with Registrar's approval
- ▶ Two or more unions may amalgamate with consent of members
- ▶ ट्रेड यूनियन नाम परिवर्तन कर सकती हैं
- ▶ दो या अधिक यूनियन आपस में विलय कर सकती हैं, यदि सदस्य सहमत हों

# Dissolution of Trade Union (Section 27)

- ▶ A trade union may dissolve as per its rules
- ▶ Notice must be sent to Registrar within 14 days
- ▶ ट्रेड यूनियन अपने नियमों के अनुसार भंग हो सकती है
- ▶ 14 दिन के भीतर रजिस्ट्रार को सूचना देना अनिवार्य है

# Returns and Accounts (Section 28)

- ▶ Every registered trade union must submit:
- ▶ Annual returns
- ▶ Statement of assets and liabilities
  
- ▶ प्रत्येक पंजीकृत ट्रेड यूनियन को—
- ▶ वार्षिक विवरण
- ▶ संपत्ति और देनदारियों का लेखा-जोखा  
जमा करना होता है।

# Importance of Trade Unions Act, 1926

- ▶ Provides legal recognition to trade unions
  - ▶ Protects workers' collective interests
  - ▶ Promotes industrial peace
  - ▶ Strengthens collective bargaining
- 
- ▶ ट्रेड यूनियनों को वैधानिक मान्यता देता है
  - ▶ कामगारों के सामूहिक हितों की रक्षा करता है
  - ▶ औद्योगिक शांति को बढ़ावा देता है
  - ▶ सामूहिक सौदेबाजी को मजबूत करता है

# Case Laws on Trade Unions Act, 1926

## 1. All India Bank Employees' Association v. National Industrial Tribunal (1962)

► **Facts:**

The association claimed that the right to form a trade union also included the right to strike.

► **Issue:**

Whether the right to form trade unions under Article 19(1)(c) includes the right to strike.

► **Judgment:**

The Supreme Court held that:

► The **right to form a trade union does NOT include the right to strike.**

► Trade union rights are subject to reasonable restrictions.

► **Principle:**

Trade Unions Act gives recognition but does not guarantee absolute rights like strike.

- ▶ **तथ्यः**  
संघ ने दावा किया कि ट्रेड यूनियन बनाने का अधिकार हड़ताल का अधिकार भी देता है।
- ▶ **मुददा:**  
क्यों अनुच्छेद 19(1)(c) के अंतर्गत ट्रेड यूनियन बनाने के अधिकार में हड़ताल का अधिकार शामिल है?
- ▶ **निर्णयः**  
सुप्रीम कोर्ट ने कहा—
- ▶ ट्रेड यूनियन बनाने का अधिकार हड़ताल का अधिकार नहीं देता।
- ▶ इन अधिकारों पर उचित प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।
- ▶ **सिद्धांतः**  
अधिनियम केवल मान्यता देता है, पूर्ण अधिकार नहीं।

# Registrar of Trade Unions v. M. Marisamy (2001)

- ▶ **Facts:**

The Registrar refused registration due to internal disputes among members.

- ▶ **Issue:**

Can registration be refused due to internal disputes?

- ▶ **Judgment:**

The Madras High Court held:

- ▶ Registrar cannot refuse registration merely due to internal disputes.
- ▶ If statutory requirements are fulfilled, registration is mandatory.

- ▶ **Principle:**

Registrar's powers are administrative, not judicial.

- ▶ **तथ्यः**  
रजिस्ट्रार ने आंतरिक विवाद के आधार पर पंजीकरण से इनकार कर दिया।
- ▶ **मुद्दा:**  
क्या आंतरिक विवाद के कारण पंजीकरण रोका जा सकता है?
- ▶ **निर्णयः**  
मद्रास उच्च न्यायालय—
- ▶ केवल आंतरिक विवाद के आधार पर पंजीकरण से इनकार नहीं किया जा सकता।
- ▶ वैधानिक शर्तें पूरी होने पर पंजीकरण अनिवार्य है।
- ▶ **सिद्धांतः**  
रजिस्ट्रार की भूमिका प्रशासनिक है, न्यायिक नहीं।

# 3. T.K. Rangarajan v. Government of Tamil Nadu (2003)

- ▶ **Facts:**  
Government employees went on strike demanding better service conditions.
- ▶ **Issue:**  
Whether government employees have a fundamental right to strike.
- ▶ **Judgment:**  
The Supreme Court held:
- ▶ Government employees have **no fundamental, statutory, or moral right to strike.**
- ▶ Strikes affecting public services are illegal.
- ▶ **Principle:**  
Right to strike is not protected under the Trade Unions Act.

- ▶ **तथ्यः**  
सरकारी कर्मचारियों ने हड़ताल की।
- ▶ **मुद्दा:**  
क्या सरकारी कर्मचारियों को हड़ताल का अधिकार है?
- ▶ **निर्णयः**  
सुप्रीम कोर्ट—
- ▶ सरकारी कर्मचारियों को हड़ताल का कोई मौलिक या वैधानिक अधिकार नहीं है।
- ▶ सार्वजनिक सेवाओं में हड़ताल अवैध है।
- ▶ **सिद्धांतः**  
ट्रेड यूनियन अधिनियम हड़ताल का अधिकार प्रदान नहीं करता।